085/X/SA2/43/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही उत्तरवाले विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

चीन अत्यंत प्राचीन, विशाल तथा शिल्प-कौशल की दृष्टि से समृद्ध देश है। एक ओर यहाँ बंदूक और बारूद का निर्माण सबसे पहले हुआ, तो दूसरी ओर दियासलाई से लेकर कोमल रेशम तक सबसे पहले चीन में ही बनाए गए। चीनी अपने कठोर परिश्रम और प्रखर प्रज्ञा से नित नई वस्तुओं का निर्माण करने की क्षमता रखते हैं। इसी की एक जीती-जागती मिसाल है - चीन की दीवार।

ईसा पूर्व लगभग दो सौ छह वर्ष पहले छिन वंश के प्रतापी सम्राट किन शी हुवांग ने पाँच हजार किलोमीटर लंबी दीवार का निर्माण कार्य आरंभ करवाया। उन्होंने कई छोटे-बड़े राजाओं को जीतकर अपने अधीन कर लिया। चीन के उत्तर में बसने वाले लोग कभी-कभी बहुत उपद्रव करते थे। इन उपद्रवों के कारण प्रजा की धन-जन की हानि होती थी। राजा ने उनपर चढ़ाई कर शत्रु को वहाँ से भगा दिया। वे लोग फिर वहाँ घुस न पाएँ, यह सोचकर उन्होंने जगत प्रसिद्ध शिल्प की अद्भुत मिसाल चीन की विशाल दीवार बनवाई। सैनिकों की पंक्तियाँ दिन-रात इस दीवार पर पहरा देतीं। वे हूणों और मंगोलों के आक्रमण से देश की रक्षा करतीं तथा रक्षा हमला करने हेतु संकेत भी देती।

(1) चीन की दीवार चीन वासियों की किस विशेषता को दर्शाती है? **1**

(क) कठोर परिश्रम और प्रखर बुद्धि

(ख) प्राचीनता और समृद्धि

(ग) वीरता और लड़ाकूपन

(घ) शिल्प - कौशल और चतुरता

(2) चीन के बारे में सच नहीं है - **1**

(क) प्राचीन और विशाल देश

(ख) सर्वप्रथम बंदूक और बारूद का उपयोग

(ग) शिल्प - कौशल में समृद्ध देश

(घ) उपद्रवी और पराधीन देश

(3) राजा के द्वारा दीवार बनवाने का कारण था - **1**

(क) अपनी समृद्धि के बारे में बताना

(ख) देश को हमलावरों से बचाना

(ग) उत्तर में ठंडी हवाओं को रोकना

(घ) निर्माण कार्यों में रुचि होना

(4) कौन-सा विशेषण चीन की दीवार का नहीं है - **1**

(क) प्राचीन

(ख) विशाल

(ग) समृद्ध

(घ) प्रसिद्ध

(5) चीन की विशाल दीवार का निर्माण आज से लगभग .... वर्ष पूर्व हुआ। **1**

(क) 206

(ख) 2000

(ग) 2010

(घ) 2216

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

जीवन में वही मनुष्य सफल है, जो समय के साथ चलता है। कुछ लोग तो ऐसे दूरदर्शी होते हैं, जो आने वाले समय को पहले ही भाँप जाते हैं। ऐसे व्यक्ति अपनी योजना पहले ही बना लेते हैं तथा हर कसौटी पर सफल होते है। हमें अपना काम कभी भी समय के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए। चाहे जैसी भी परिस्थिति क्यों न हो, हमें समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपना काम पूरा करते रहना चाहिए। कल के भरोसे काम को छोड़ना समस्याओं को आमंत्रित करना है। समय बड़ा ही बलवान है। समय के अनुरूप चलने वाला गरीब से अमीर एवं समय को न भाँपने वाला अमीर से कंगाल भी बन जाता है। व्यापारी वर्ग हमेशा समय को ध्यान में रखकर अपना रोजगार शुरू करता है तथा, धन लगाता है। यह कहा जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कुछ क्षण ऐसे आते हैं जिनसे उसके भाग्य का बनना और बिगड़ना तय होता है। अगर व्यक्ति ने समय की सही गति या दशा को समझ लिया, तब तो वह सफल हो गया, अन्यथा उसके हाथ केवल असफलता ही लगेगी। खेल-कूद, खासकर दौड़ की प्रतियोगिताओं में समय ही निर्णायक होता है। अपने निर्दिष्ट लक्ष्य पर पहुँचने वाला धावक एक क्षण आगे पहुँच जाने पर ओलंपिक का मैडल पा जाता है। एक क्षण पहले अस्पताल में पहुँच जाने पर रोगी बच जाता है। कल्पना चावला का अंतरिक्षयान कोलंबिया यदि कुछ मिनट और ठीक रहता तो शायद वह और उनके साथी अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित बच जाते। अत: हम कह सकते हैं कि मानव जीवन का सबसे बड़ा नियामक घटक समय ही है।

(1) 'दूरदर्शी' का आशय है- **1**

(क) दूर तक देखने वाला

(ख) दूर से देखने वाला

(ग) दूर की बात सोचने वाला

(घ) दूरबीन से देखने वाला

(2) 'दूरदर्शी' व्यक्तियों के बारे में क्या सच नहीं है - **1**

(क) आनेवाले समय को पहले ही भाँप लेते हैं

(ख) रोजगार में धन लगाते हैं

(ग) अपनी योजना पहले ही बना लेते हैं

(घ) हर कसौटी पर सफल होते हैं

(3) मनुष्य सफल कब होता है? **1**

(क) जब भाग्य उसका साथ देता है

(ख) जब वह अपना रोजगार शरू करता है

(ग) जब उसके पास पूँजी होती है

(घ) जब वह समय की गति समझ लेता है।

(4) कल्पना चावला का उदाहरण क्यों दिया गया है? **1**

(क) अंतरिक्ष यात्रा का महत्व बताने के लिए

(ख) उसकी याद दिलाने के लिए

(ग) समय की परिवर्तनशीलता को बताने के लिए

(घ) एक क्षण का महत्व समझाने के लिए

(5) गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक होगा **1**

(क) समय बड़ा बलवान

(ख) दूरदर्शी व्यक्ति

(ग) कल्पना चावला

(घ) खेलकूद का महत्व

3. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर वाले सही विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

चींटियाँ अंडे उठाकर जा रही हैं,
और चिड़ियाँ नीड़ को चारा दबाए ,
थान पर बछड़ा रँभाने लग गया है,
टकटकी सूने विजन पथ पर लगाए,
थाम आँचल, थका बालक रो उठा है,
है खड़ी माँ शीश का गट्ठर गिराए ,
बाँह दो चुमकारती-सी बढ़ रही है,
साँझ से कह दो बुझे दीपक जलाए।
शोर, डैनों में छिपाने के लिए अब,
शोर, माँ की गोद जाने के लिए अब,
शोर, घर-घर नींद रानी के लिए अब,
शोर, परियों की कहानी के लिए अब।
एक मैं ही हूँ कि मेरी साँस चुप है,
एक मेरे दीप में ही बल नहीं है,
एक मेरी खाट का विस्तार नभ-सा,
क्योंकि मेरे शीश पर आँचल नहीं है।

(1) चीटियाँ और चिड़ियाँ कहाँ जा रही हैं। **1**

(क) अपने बिलों की ओर
(ख) अपने घोसलों की ओर
(ग) अपने-अपने घरों की ओर
(घ) बछड़े के थान की ओर

(2) बछड़ा क्यों रँभाने लगा है - **1**

(क) थक गया है।
(ख) उसे माँ की याद आ रही है।
(ग) वह अकेला है।
(घ) उसे भूख लग गई है।

(3) कवि की उदासी और चुप्पी का कारण क्या है? **1**

(क) शाम का घिर आना।
(ख) पशु-पक्षियों का घरों को लौटना।
(ग) उसकी माँ का न होना।
(घ) चारों ओर शोर बढ़ जाना।

(4) साँझ के शोर के बारे में क्या सच नहीं है? **1**

(क) चिड़ियो के बच्चे माँ के पंखों में छिपने के लिए शोर करते हैं।
(ख) बच्चे माँ की गोद में बैठने के लिए शोर करते हैं।
(ग) बच्चे कहानी सुनने की जिद में शोर करते हैं।
(घ) बच्चे बुझे दीपक जलाने के लिए शोर करते हैं।

(5) काव्यांश का उपर्युक्त शीर्षक होगा। **1**

(क) साँझ का शोर

(ख) चींटियाँ और चिड़ियाँ

(ग) थका बालक

(घ) माँ की याद

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

पृथ्वी की छाती फाड़ , कौन यह अन्न उगा लाता बाहर ?
दिन का रवि, निशि की शीत कौन लेता अपनी सिर-आँखों पर ?
कंकड़-पत्थर से लड़-लड़कर, खुरपी से और कुदाली से,
ऊसर-बंजर को उर्वर कर, चलता है चाल निराली ले।

मजबूत भुजाएँ वे तेरी, मजदूर, शक्ति तेरी महान,
घूमा करता तू महादेव, सिर पर लेकर के आसमान।
पाताल फोड़कर, महाभीष्म, भूतल पर लाता जलधारा,
प्यासी भूखी दुनिया को तू देता जीवन सबल सारा।

खेती से लाता है कपास, धुन-धुन, बुनकर अंबार परम,
इस नग्न विश्व को पहनाता तू नित्य नवीन वस्त्र अनुपम।
नंगी घूमा करती दुनिया, मिलता न अन्न, भूखों मरती,
मजदूर, भुजाएँ जो तेरी मिट्टी से नहीं युद्ध करती।

तू छिपा राज्य-उत्थानों में, तू छिपा कीर्ति के गानों में,
मजदूर, भुजाएँ तेरी ही दुर्गो के शृंग-उठानों में,
तू छिपा नवल निर्माणों में, गीतों में और पुराणों में,
युग का यह चक्र चला करता तेरी पद-गति की तानों में।

तू ब्रह्मा-विष्णु रहा सदैव,
तू है महेश प्रलयंकर फिर।
हो तेरा तांडव, शंभु, आज
हो ध्वंस, सृजन मंगलकर फिर।

(1) किसान के बारे में क्या सत्य नहीं है ? **1**

(क) अन्न उगाता है।

(ख) मौसम की चिंता नहीं करता

(ग) दुर्गों पर हमला करता है

(घ) धरती खोदकर जल लाता है

(2) किसान की तुलना किस पौराणिक देवता से नहीं की गई है ? **1**

(क) ब्रह्मा

(ख) इंद्र

(ग) महादेव

(घ) विष्णु

(3) अगर मजदूर की भुजाएँ मिट्टी से युद्ध न करती तो दुनिया - **1**

(क) नंगी घूमती तथा भूखों मरती

(ख) सृजन करती और मंगल मनाती

(ग) शिव के समान तांडव करती

(घ) दुर्गों के शृंग उठानों में होती

(4) काव्यांश का उचित शीर्षक छाँटिए - **1**

(क) मजदूर की पीड़ा

(ख) मजदूर की महिमा

(ग) मंगलकर सृजन

(घ) मजदूर की दुनिया

(5) ऊसर-बंजर को उर्वर कर चलता है, चाल निराली ले **1**

उक्त पंक्ति में परस्पर पर्याय और विलोम है।

(क) ऊसर-बंजर, उर्वर-चाल

(ख) ऊसर-उर्वर, बंजर - चलता

(ग) ऊसर-बंजर, बंजर-उर्वर

(घ) ऊसर-उर्वर, बंजर-ऊसर

खंड 'ख'

5. (1) वाक्यों में प्रयुक्त पदों का व्याकरणिक कोटियों के अनुसार परिचय करना कहलाता है - **1**

(क) वाक्य परिचय

(ख) पद-परिचय

(ग) शब्द परिचय

(घ) पदबंध चयन

(2) अयोध्या नरेश दशरथ के चार पुत्र थे। (रेखांकित पदबंध है -) **1**

(क) संज्ञा

(ख) सर्वनाम

(ग) क्रिया

(घ) क्रियाविशेषण

(3) परिश्रम के बिना सफलता नहीं मिलती। (रेखांकित का पद-परिचय छाँटिए) **1**

(क) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(4) श्याम तेज दौड़ते-दौड़ते थक गया (रेखांकित पदबंध का नाम छाँटिए) **1**

(क) क्रिया

(ख) क्रियाविशेषण

(ग) सर्वनाम

(घ) विशेषण

6. (1) मिश्र वाक्य छाँटिए - **1**

(क) ईमानदारी से काम करने वाला व्यक्ति किसी से नहीं डरता।

(ख) जैसे ही वह घर से निकला, वैसे ही आँधी चलने लगी।

(ग) परिश्रम और ईमानदारी रंग लाते हैं।

(घ) वह चलते-चलते गिर गया।

(2) शिक्षिका पाठ पढ़ाकर कक्षा से बाहर चली गई - का संयुक्त वाक्य छाँटिए। **1**

(क) शिक्षिका पाठ पढ़ाते ही कक्षा से चली गई।

(ख) शिक्षिका कक्षा में पाठ पढ़ाती रही।

(ग) शिक्षिका ने कक्षा में पाठ पढ़ाया।

(घ) शिक्षिका ने पाठ पढ़ाया और चली गई।

(3) वह आगरा गया था और वहीं से मेरे लिए पेठा लेकर आया था। वाक्य का भेद है - **1**

(क) संयुक्त वाक्य

(ख) सरल वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) उपवाक्य

(4) जब वह यहाँ पहुँचेगा, तब मैं वहाँ जाऊँगी - वाक्य भेद पहचान कर नाम लिखिए - **1**

(क) मिश्र वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) संज्ञा उपवाक्य

(घ) सरल वाक्य

7. (1) 'शिवालय' का संधि-विच्छेद छाँटिए - **1**

(क) शि + वालय

(ख) शिवा + आलय

(ग) शिव + आलय

(घ) शिवा + आलया

(2) 'पर + उपकार' की संधि छाँटिए - **1**

(क) परोपकार

(ख) परउपकार

(ग) परौपकार

(घ) परोपकारी

(3) 'रसोईघर' समस्त-पद का विग्रह छाँटिए - **1**

(क) रसोई का घर

(ख) रसोई के लिए घर

(ग) रसोई वाला घर

(घ) रसोई से बना घर

(4) 'महान है जो आत्मा' के लिए समस्त पद छाँटिए - 1

(क) महात्मा

(ख) महान आत्मा

(ग) माहात्मा

(घ) महाजन

8. (1) निम्नलिखित में से मुहावरा छाँटिए - 1

(क) जिसकी लाठी उसकी भैंस।

(ख) मत्थे मढ़ना।

(ग) गि पड़ना।

(घ) जान है तो जहान है।

(2) उचित मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए - भारत को पाकिस्तान की कुटिलता को .... चाहिए। 1

(क) भाँप लेना

(ख) याद रखना

(ग) देख लेना

(घ) सुन लेना

(3) 'कठोर व्यंग्य करना' अर्थ वाला मुहावरा है - 1

(क) तू-तू , मै-मैं करना

(ख) सूक्ति बाण चलाना

(ग) जबान लड़ाना

(घ) तिल का ताड़ बनाना

(4) ऊँची दुकान फीका पकवान- लोकोक्ति का अर्थ छाँटिए - 1

(क) मात्र दिखावा

(ख) व्यापार में घाटा

(ग) बहुत लज्जित होना

(घ) बहुत आसान कार्य

9. (1) शुद्ध वाक्य छाँटिए - 1

(क) तुमने कहाँ जाना है?

(ख) आप अब चले जाओ।

(ग) अपन तो पहले ही जानते थे।

(घ) युवराज दरिद्रता में जी रहा है।

(2) शुद्ध वाक्य की पहचान कर छाँटिए - 1

(क) जो बच्चे खूब मेहनत करते हैं वे ही पास होते है।

(ख) पिता जी छत में अखबार पढ़ रहे हैं।

(ग) तुम बड़े सज्जन आदमी हो।

(घ) एक गर्म कप कॉफी पीते जाइए।

(3) शुद्ध वाक्य छाँटिए - 1

(क) मेरे माता जी खड़ी हैं।

(ख) सच्चाई को जानने का प्रयास कीजिए।

(ग) आज हम भरपेट खा लिए हैं।

(घ) तुम्हें कितने रुपये चाहिएँ?

(4) अशुद्ध वाक्य छाँटकर लिखिए - 1

(क) राम ने रावण को मारा।

(ख) उस कमरे में कौन है?

(ग) यह लेख किसने लिखा है?

(घ) एक फूलों की माला ला दीजिए।

खंड 'ग'

10. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश में से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर छाँटिए - 1x5=5

विश्व-शलभ सिर धुन कहता मैं
हाय न जल पाया तुझमें मिल !
सिहर-सिहर मेरे दीपक जल !
जलते नभ में देख असंख्यक,
स्नेहहीन नित कितने दीपक,
जलमय सागर का उर जलता,
विद्युत ले घिरता है बादल !
विहँस-विहँस मेरे दीपक जल !

(1) 'शलभ' का स्वभाव है - 1

(क) दिए के साथ रहना

(ख) दीपक की रक्षा करना

(ग) दीपक में जल मरना

(घ) दिए को बुझा देना

(2) विश्व-शलभ क्या कहता है? 1

(क) हाय न जल पाया

(ख) मेरे दीपक जल

(ग) सिर धुन कहता मैं

(घ) पाया तुझमें मिल

(3) कवयित्री ने आसमान में चमकने वाले तारों को क्या कहा है? 1

(क) स्नेहसिक्त

(ख) स्नेहिल

(ग) स्नेहभरे

(घ) स्नेहहीन

(4) बादल कब घिरता है? **1**

(क) जब बिजली चमकती है।

(ख) जब सागर का उर जलता है।

(ग) जब दीपक जलता है।

(घ) जब नभ में तारे जलते हैं।

(5) 'उर जलता' का प्रयोग किसके लिए किया गया है? **1**

(क) सागर

(ख) तारे

(ग) आसमान

(घ) बादल

अथवा

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफिले
फतह का जश्न इस जश्न के बाद है
जिंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर पे कफन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(1) कुर्बानियों की राह को वीरान न होने देने के लिए क्या जरुरी है? **1**

(क) डटकर युद्ध करना

(ख) देश भर में जागृति पैदा करना

(ग) बलिदानियों के नए जत्थे तैयार करना

(घ) नवयुवकों में चेतना जगाना

(2) सैनिक देश को किसके हवाले कर रहे हैं? **1**

(क) साथी किसानों के

(ख) साथी सैनिकों के

(ग) साथी युवकों के

(घ) साथी नेताओं के

(3) फतह का जश्न किस जश्न के बाद हैं? **1**

(क) नए काफिले सजाने का जश्न

(ख) सर पर कफ़न बाँधने का जश्न

(ग) वतन साथियों के हवाले करने का जश्न

(घ) ज़िंदगी के मौत से गले मिलने का जश्न

(4) 'सर से कफ़न बाँधना' का अर्थ है - **1**

(क) मरने की तैयारी करना

(ख) बलिदान के लिए प्रस्तुत होना

(ग) मौत से गले मिलना

(घ) क्रिया-कर्म करने की तैयारी करना।

(5) किनके नए काफ़िले सजाने का अनुबंध किया गया है? **1**

(क) कुर्बानियों के

(ख) बलिदानियों के

(ग) जिंदगी के

(घ) मौत के

11. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **2.5X2=5**

(क) कहानी का शीर्षक 'गिरगिट' क्यों रखा गया होगा? स्पष्ट कीजिए।

(ख) वज़ीर अली कौन था? उसकी दो विशेषताएँ लिखिए।

(ग) 'गिरगिट' पाठ हमें क्या सोचने पर मजबूर करता है? सोदाहरण समझाइए।

(घ) 'गांधीजी में नेतृत्व की अद्भुत क्षमता थी।' सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

12. 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। **5**

अथवा

'टी-सेरेमनी' को सविस्तार समझाइए।

13. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

''कुत्तों को इस तरह आवारा छोड़ देने का मजा मैं इनके मालिकों को चखाकर रहूँगा। जो कानून का पालन नहीं करते, अब उन लोगों से निबटने का वक्त आ गया है। उस बदमाश आदमी को मैं इतना जुर्माना ठोकूँगा, ताकि उसे इल्म हो जाए कि कुत्तों और जानवरों को इस तरह आवारा छोड़ देने का क्या नतीजा होता है? मैं उसे ठीक करके रहूँगा'', तब सिपाही की तरफ मुड़कर उसने अपनी बात जारी रखी - ''येल्दीरीन ! पता लगाओ यह पिल्ला किसका है और इसकी पूरी रिपोर्ट तैयार करो। इस कुत्ते को बिना देरी किए खत्म कर दिया जाए। शायद यह पागल हो, ... मै पूछ रहा हूँ, आखिर यह किसका कुत्ता है?''

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए। **1**

(ख) यह किसका कथन है? उसने येल्दीरीन को क्या हुक्म दिया? **2**

(ग) ओचुमेलॉव के क्रोध का क्या कारण था? **2**

अथवा

कर्नल - स्कीम ये है कि किसी तरह नेपाल पहुँच जाए। अफगानी हमले का इंतजार करे, अपनी ताकत बढ़ाए, सआदत अली को उसके पद से हटाकर खुद अवध पर कब्जा करे और अंग्रेजों को हिंदुस्तान से निकाल दे।

लेफ्टीनेंट - नेपाल पहुँचना तो कोई ऐसा मुश्किल नहीं, मुमकिन है कि पहुँच गया हो।

कर्नल - हमारी फौजें और नवाब सआदत अली खाँ के सिपाही बड़ी सख्ती से उसका पीछा कर रहे हैं। हमें अच्छी तरह मालूम है कि वो इन्हीं जंगलों में हैं।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए। **1**

(ख) गद्यांश में किसकी चर्चा है? उसका पीछा क्यों किया जा रहा है। **2**

(ग) स्कीम किसकी है? क्या है? **2**

14. (क) सैनिकों के हृदय की किस आवाज को कविता 'कर चले हम फिदा' में बयान किया गया है। 2

(ख) कवि मैथिलीशरण गुप्त ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों दी है। 2

(ग) पतंगा अपने क्षोभ को किस तरह से व्यक्त कर रहा है। **1**

15. 'सपनों के-से दिन' पाठ के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश दिया है? 3

अथवा

'मित्रता जात-पाँत का भेद नहीं मानती।' इस उक्ति को 'टोपी शुक्ला' पाठ के आलोक में समझाइए।

16. 'मेरे साथ खेलने वाले सभी बच्चों का हाल एक-सा होता।' लेखक गुरदयाल सिंह ने कैसे हाल का वर्णन किया है? **2**

खंड 'घ'

17. **संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।** 5

(क) <u>विज्ञापनों का बढ़ता महत्व</u> -

- विज्ञापन का अर्थ
- आज के युग में विज्ञापनों का महत्व
- अश्लीलता व कुप्रभाव

(ख) <u>परीक्षा का भय</u> -

- परीक्षा का अर्थ
- परीक्षा और विद्यार्थी
- परीक्षा के समय संयम और धैर्य

(ग) <u>भारत में बाल श्रमिक समस्या</u> -

- बाल श्रमिक समस्या का अर्थ
- भारत में बाल श्रमिक समस्या
- समाधान तथा निराकरण

18. विद्यालय द्वारा आयोजित किसी पर्वतीय स्थल की यात्रा पूरी करके विद्यालय में सकुशल पहुँच जाने के बाद धन्यवाद हेतु अपने प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपका टेलीफोन दो माह से खराब पड़ा है। इसकी शिकायत करते हुए बी.एस.एन.एल. के क्षेत्रीय प्रंबधक को पत्र लिखिए।

- o 0 o -